संख्या–cm-403
21/08/2021

मुख्यमंत्री ने समस्तीपुर जिले के विद्यापतिनगर में बाढ़ राहत शिविर का किया निरीक्षण, लोगों से की बातचीत, अधिकारियों को दिये आवश्यक दिशा–निर्देश

पटना, 21 अगस्त 2020 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज समस्तीपुर जिले के विद्यापतिनगर प्रखंड के शेरपुर ढेपुरा के उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय में बनाये गये बाढ़ राहत शिविर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने रसोई घर, स्टोर रुम, सामुदायिक किचेन एवं स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने राहत शिविर में उपस्थित लोगों से वहां की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से प्रभावित वार्डों की संख्या, प्रभावित जनसंख्या, संचालित सामुदायिक रसोई केंद्रों की संख्या, पशु कैम्प स्थलों की संख्या, परिचालित नावों की संख्या एवं मोबाइल मेडिकल टीम आदि के संबंध में भी विस्तृत जानकारी ली।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, पूर्व सांसद श्रीमती अश्वमेध देवी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अपर मुख्य सचिव आपदा प्रबंधन श्री प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, जिलाधिकारी श्री शशांक शुभंकर एवं पुलिस अधीक्षक श्री मानवजीत सिंह ढिल्लो सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

निरीक्षण के पश्चात् पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि दूसरे जिलों के हवाई सर्वेक्षण के दौरान हमें एहसास हुआ था कि समस्तीपुर के भी कई इलाके बाढ़ से काफी प्रभावित हुए हैं तो हमने तय किया कि वहां जाकर स्थिति का जायजा लेंगे। आज हमलोग यहां की स्थिति को देखने आये हैं। बाढ़ प्रभावित सभी लोगों के राहत के लिए कार्य किये जा रहे हैं। लोगों के रहने और भोजन के इंतजाम किये गये हैं। इसके साथ ही प्रभावित परिवारों को सहायता राशि देने का भी कार्य किया जा रहा है। मनुष्य के साथ ही पशुओं के लिए भी इंतजाम किये गये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हवाई सर्वेक्षण के अलावा हमलोग प्रभावित इलाकों में जाकर वहां की स्थिति देखने के साथ ही राहत शिविरों का निरीक्षण कर सभी व्यवस्थाओं की जानकारी ले रहे हैं। राहत शिविरों में रह रहे लोगों ने बातचीत के दौरान कहा कि राहत शिविरों में अच्छी व्यवस्था की गई है। हम वर्ष 2007 से ही कहते रहे हैं कि सरकार के खजाने पर पहला अधिकार आपदा पीड़ितों का है। उसी के अनुरुप बाढ़ से प्रभावित हुए सभी लोगों को राहत पहुंचाने का काम किया जा रहा है। पत्रकारों के एक अन्य सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कौन क्या कहता है, उस पर हम ध्यान नहीं देते हैं। हमारा काम है एक–एक चीज को देखना और उसी काम में लगे रहते हैं। हमारी सरकार आने से पहले बाढ़ पीड़ितों को कोई मदद नहीं दी जाती थी। बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए हमलोगों ने वर्ष 2007 से ही आपदा प्रबंधन का काम शुरु किया।

******